MSW-007
MSW-008
MSW-009
MSW-017
MSWE-001
MSWE-002
MSWE-003
MSWE-007
MSW-010

समाज कार्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम.एस.डब्ल्यू. द्वितीय वर्ष)

सत्रीय कार्य : 2026–2027

	पाठ्यक्रम शीर्षक
एम.एस.डब्ल्यू–007 :	वैयक्तिक कार्य एवं परामर्शः व्यक्तियों के साथ कार्य करना
एम.एस.डब्ल्यू–008 :	सामाजिक समूह कार्य : समूहों के साथ कार्य करना
एम.एस.डब्ल्यू–009 :	सामुदायिक विकास के लिए समुदाय संगठन प्रबंधन
एम.एस.डब्ल्यू.–017 :	समाज कार्य के समकालीन तरीके और मूल्य
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–001 :	एचआईवी/एड्स : कलंक, भेदभाव और रोकथाम
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–002 :	महिला और बाल विकास
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–003 :	आपदा प्रबंधन
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–07 :	अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः
जुलाई, 2026 सत्र – मार्च 31, 2027
जनवरी, 2027 सत्र – सितम्बर 30, 2027

नोट : कृपया उन पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य लिखें जिन्हें आपने चुना है।

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के एम.एस.डब्ल्यू. (द्वितीय वर्ष)कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातकोत्तर होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधार सकें। एम.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

- अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के एम.एस.डब्ल्यू. अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।
- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षण के लिए अध्ययन केंद्र में अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक से मिलें।
- परीक्षा फार्म समय पर भरें।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए 30% भारित देते हैं। **सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए।** सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी, शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करें, जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करें, उस पर आवश्यक सुधार करें और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए एक परिचय, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़ें। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो, यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

डॉ. जी दिलीप दिवाकर
(कार्यक्रम समन्वयक)

वैयक्तिक कार्य एवं परामर्शः व्यक्तियों के साथ कार्य करना
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–007
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) वैयक्तिक कार्य के सिद्धांतों और क्लाइंट–कर्मचारी संबंध को उदाहरणों के साथ समझाइए। 20

अथवा

परामर्श की सैद्धांतिक नींव और ढांचे की जांच करें। 20

2) रिकॉर्डिंग को परिभाषित करें। सामाजिक वैयक्तिक कार्य में रिकॉर्डिंग प्रथाओं के महत्व पर चर्चा करें। 20

अथवा

समाज कार्य प्रक्रिया में शामिल विभिन्न चरणों का वर्णन करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) सामाजिक वैयक्तिक कार्य में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न साधनों की व्याख्या करें। 10

ख) व्यक्तित्व विकास को प्रभावित करने वाले कारकों का संक्षेप में वर्णन करें। 10

ग) प्रभावी वैयक्तिक कार्य अभ्यास के लिए आवश्यक साक्षात्कार कौशल पर चर्चा करें। 10

घ) संचार के तत्व क्या हैं और प्रभावी संचार की बाधाओं की व्याख्या करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) समाज वैयक्तिक कार्य एजेंसी की विशेषताओं की सूची बनाएँ। 5

ख) एक वैयक्तिक कार्यकर्ता के लिए आवश्यक कौशल पर प्रकाश डालें। 5

ग) किसी भी तीन मनोविश्लेषणात्मक तकनीकों का संक्षेप में वर्णन करें। 5

घ) सामाजिक वैयक्तिक कार्य अभ्यास में एक महत्वपूर्ण कौशल के रूप में सुनने की चर्चा करें। 5

ङ) केस रिकॉर्ड के विभिन्न रूपों का उल्लेख करें। 5

च) भारत में वैयक्तिक कार्य अभ्यास की प्रासंगिकता और चुनौतियों पर चर्चा करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) सारग्राही (Eclectic) दृष्टिकोण 4

ख) प्रतिकूल चिकित्सा 4

ग) सुदृढ़ीकरण 4

घ) घर का दौरा 4

ङ) सारांश रिकॉर्डिंग 4

च) समाज कार्य अभ्यास में परामर्श का दायरा 4

छ) मार्गदर्शन परामर्श 4

ज) ंभूमिका निभाना 4